G.B. Pant Memorial Government College
Rampur Bushahr Distt. Shimla (H.P.)

Invitation

Government College, Rampur Bushahr
Distt. Shimla (H.P.)

cordially invites you for

G.B. Pant Memorial Distinguished Lecture Series
&
Annual Prize Distribution Function

Session 2023-24

on

Sunday, March 31, 2024 10:00 a.m.

Chief Guest & Speaker

Sh. Rakesh Kanwar (IAS)

Secretary to the Chief Minister, Himachal Pradesh

Guest of Honour

Ms. Minakshi Chaudhry

Eminent Writer

Your benign presence is solicited to grace the occasion

Students, CSCA,
PTA & Staff

Principal
Ph.: 01782-233021

स्थापित वर्ष 1959

वार्षिक प्रतिवेदन

2023-24

गोविन्द बल्लभ पन्त मेमोरियल

राजकीय महाविद्यालय

रामपुर बुशैहर, जिला शिमला–172001

नैक एक्रैडिश्न–2015 बी–ग्रेड

Phone and Fax – 01782 233021
E-male – gcrampur59@gmail.com
Website – www.gcrampur.nic.in

प्राचार्य
डॉ॰ पंकज बासोतिया

वार्षिक प्रतिवेदन–सत्र 2023–2024

पौराणिक, भौगोलिक एवं सांस्कृतिक दृष्टि से महत्त्वपूर्ण सतलुज नदी के पार्श्व में चारों तरफ सुन्दर पहाड़ियों के मध्य अवस्थित गोविन्द बल्लभ पन्त राजकीय महाविद्यालय रामपुर बुशैहर के इस भव्य सभागार में आयोजित वार्षिक पारितोषिक वितरण समारोह में आपका हार्दिक स्वागत एवं अभिनन्दन है। कठिन भौगोलिक स्थिति के बावजूद दूर–दराज के क्षेत्र के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से 11 नवम्बर, 1959 को स्थापित इस महाविद्यालय का उद्घाटन हिमाचल प्रदेश के तत्कालीन राज्यपाल राजा बजरंग बहादुर सिंह ने किया। महान स्वतंत्रता सेनानी पण्डित गोविन्द बल्लभ पन्त के नाम से अभिहित यह महाविद्यालय गत 64 वर्षों से अपने निहित उद्देश्यों की पूर्ति में निरन्तर अग्रसर है।

महाविद्यालय में बी॰ए॰, बी॰कॉम॰, बी॰एससी कक्षाओं के अध्ययन–अध्यापन के साथ कला, वाणिज्य और विज्ञान के 13 विषयों (हिन्दी, अंग्रेजी, इतिहास, राजनीतिशास्त्र, अर्थशास्त्र, वाणिज्य, समाजशास्त्र, भूगोल, गणित, जीव–विज्ञान, रसायन विज्ञान, भौतिक विज्ञान, और वनस्पति विज्ञान) में स्नातकोत्तर स्तर की शिक्षा प्रदान की जा रही है। महाविद्यालय में तीन विषयों– हिन्दी, अग्रेजी, वाणिज्य में स्नातकोत्तर कक्षाएं वर्ष 1994 से तथा इतिहास, अर्थशास्त्र व राजनीति शास्त्र में वर्ष 2003 से चल रही हैं। वहीं दूसरे सात विषयों– रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान, वनस्पत्ति विज्ञान, भौतिक विज्ञान, गणित, भूगोल व समाजशास्त्र में स्नातकोत्तर कक्षाएं वर्ष 2017 से प्रारंभ हुई। लगभग सभी विषयों में स्नातकोत्तर होने के बावजूद भी इस महाविद्यालय को अभी तक स्नातकोत्तर का दर्जा प्राप्त नहीं हुआ इसलिए राज्य सरकार से विनम्र निवेद रहेगा कि महाविद्यालय को स्नातकोत्तर का दर्जा दिया जाए और इन कक्षाओं को सुचारू रूप से चलाने के लिए शिक्षकों की भी अतिरिक्त नियुक्ति की जाए। वर्तमान में विषयवार सीटों का आबंटन हिन्दी, इतिहास, अर्थशास्त्र, वाणिज्य, अंग्रेजी, समाजशास्त्र व राजनीतिशास्त्र में 40 सीटें प्रति विषय हैं। वहीं रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान, वनस्पत्ति विज्ञान, भौतिक विज्ञान, भूगोल व गणित में 20 सीटें प्रति विषय आबंटित हैं। स्थानीय विद्यार्थियों को व्यवसायिक शिक्षा देने के उद्देश्य से सेल्फ फाइनासिंग (स्व–वित्तपोषित) योजना के अंतर्गत बी॰सी॰ए॰ व पी॰जी॰डी॰सी॰ए॰ की कक्षाएं संचालित की जा रही है। B.VOC योजना के तहत दो व्यावसायिक पाठयक्रम चल रहे हैं। वर्तमान समय में महाविद्यालय में विस्तृत परिसर, उत्कृष्ट पुस्तकालय, आई॰टी॰ लैब, चार छात्रावास, खेल मैदान, शानदार सभागार, इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय अध्ययन केन्द्र, अंतर्राष्ट्रीय दूरवर्ती एवं मुक्त अध्ययन संस्थान केन्द्र, संकाय विश्राम गृह, डाकघर और कुछ स्मार्ट कक्षा–कक्ष अत्याधुनिक तकनीक से विकसित किए गए हैं। महाविद्यालय के पूरे परिसर में वाई–फाई सुविधा के साथ सी॰सी॰टी॰वी॰ कैमरे लगे हैं। विज्ञान भवन का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है जिसका उद्घाटन 15 मार्च 2024 को मुख्यमंत्री हिमाचल प्रदेश द्वारा किया गया। महाविद्यालय में नियुक्त शैक्षणिक एवं गैर–शैक्षणिक कर्मियों की उत्कृष्टता, कर्त्तव्यनिष्ठा, कार्य–कुशलता, योग्यता और समर्पण से समग्र गतिविधियां निर्धारित मानकों एवं नियमों के अनुसार व्यवस्थित रूप से संचालित हो रही है।

(14) गणित विभाग के सहायक आचार्य डॉ॰ महेश्वर ठाकुर ने इस वर्ष अपनी विद्या वाचस्पति (पी॰एच॰डी॰) की उपाधि हासिल की। इसके अलावा इन्होंने व इसी विभाग की सहायक आचार्या अनुराधा नेगी ने राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में अपने–अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए। अनुराधा नेगी ने एक संकाय विकास कार्यक्रम व रिफ्रेशर कोर्स भी सफलतापूर्वक पूर्ण किए।

(15) जीव विज्ञान विभाग से सहायक आचार्य योजना ठाकुर ने इस सत्र में दो संकाय विकास कार्यक्रमों को पूर्ण किया। इन्हें एच॰एफ॰आर॰आई॰ द्वारा हेल्थ एवं एनवायरमेंटल कंजर्वेशन के लिए सर्टिफिकेट ऑफ एक्सीलेंस से नवाजा गया। इसके साथ इन्होंने नॉर्थ जॉन अन्तर विश्वविद्यालय यूथ फेस्टिवल में हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय की टीम में प्रभारी के रूप में भूमिका निभाई।

(16) भूगोल विभाग से डॉ॰ सविता नेगी ने इस अकादमिक सत्र में एक संकाय विकास कार्यक्रम व एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

(17) अंग्रेजी विभाग से सहायक आचार्य राजेश नेगी ने इस वर्ष तीन संकाय विकास कार्यक्रम व विभिन्न राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में तीन शोध पत्र प्रस्तुत किए।

(18) डॉ॰ विपन शर्मा सहायक आचार्य इतिहास ने "Brahmiscript" पर राजकीय महाविद्यालय धामी द्वारा आयोजित कार्यशाला में भाग लिया। इनका शोध पत्र "Human Rights in Ashoka Edicts" भी इस वर्ष राष्ट्रीय पत्रिका में प्रकाशित हुआ है। साथ ही इन्होंने एक सप्ताह का संकाय विकास कार्यक्रम भी पूर्ण किया।

(19) सहायक आचार्या रंजू बाला, पर्यटन और यात्रा प्रबंधन विभाग ने इस वर्ष रिफ्रेशर कोर्स, संकाय विकास कार्यक्रम व ऑनलाइन ओरिएंटेशन कार्यक्रम क्रमशः रामानुजन कॉलेज दिल्ली गोकुल ग्लोबल विश्वविद्यालय सिद्धपुर व ACRNRT से सफलतापूर्वक पूर्ण किए।

(20) डॉ॰ हीरा भगति सहायक आचार्या वाणिज्य, ने रामानुजन कॉलेज दिल्ली से रिफ्रेशर कोर्स सफलतापूर्वक पूरा किया।

(21) डॉ॰ सतपाल सहायक आचार्य अर्थशास्त्र विभाग ने इस अकादमिक सत्र में HGCTA के चुनाव में भाग लिया व संयुक्त सचिव अकादमिक पद पर विजय प्राप्त की। इसके अलावा दो राष्ट्रीय सम्मेलनों में अलग–अलग शीर्षकों से शोध पत्र प्रस्तुत किए।

.....0.....

ANNUAL PRIZE DISTRIBUTION FUNCTION : 2023-24